



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५२] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर २४, १९७७ (पौष ३, १८९९)

No. ५२] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 24, 1977 (PAUSA 3, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड ४

PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेदा, विज्ञापन और सूचनाएं
सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

लेखा और व्यय विभाग

बम्बई, दिनांक २४ दिसम्बर, १९७७

जो प्रतिभूतिया खो, आदि गयी हैं और जिनके सम्बन्ध में यह विश्वास करने के लिए प्रत्यक्षतः आधार है कि वे खो गई हैं और उनके आवेदकों का दावा च्यापूर्ण है, उनकी निम्ननिवित (३० सितम्बर १९७७ को समाप्त हुई तिमाही की) सूची का विज्ञापन पब्लिक डेट अधिनियम, १९४४ की धारा २८ के अधीन भारत सरकार द्वारा बनायी गई और २० अप्रैल १९४६ के भारत के राजपत्र में प्रकाशित (दिनांक २९ अप्रैल १९५४ की अधिसूचना सं० एफ० (८)/(७०)-वी०/५२ के अधीन संशोधित) की गई नियमावली के नियम १८ के अनुसार इसके द्वारा किया जाता है। नीचे जिन सर्वधित दावेदारों के नाम दिए गए हैं उनको छोड़ कर इन्हें एसे सभी व्यक्तियों, जिनका इन प्रतिभूतियों पर कोई दावा हो, को चाहिए कि वे मुद्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, लेखा और व्यय विभाग, केन्द्रीय ऋण अनुभाग, बम्बई को तुरन्त सूचित करें।

सूची 'क'

प्रतिभूति की संख्या	मूल्य	किसके नाम जारी की गई	किस दिनांक में व्याज देय है	ग्रन्तुलिपि जारी करने और/या भुगतान मूल्य की अदायगी के लिए दावा करने वाले (वालों) का (के) नाम	जारी किए गये प्रादेशों की संख्या और दिनांक
1	2	3	4	5	6

बम्बई संक्षिप्त

३½% राष्ट्रीय योजना अनु १९६४

वी वाई-०७५८७६	200/- भारतीय रिजर्व बैंक	19-4-1954	गुरुराव गुडेराव देशपांडे, मनोहरराव गुडेराव देश-पांडे और नागनाथराव गुडेराव देशपांडे (स्कर्पिय पांडे की सम्पत्ति के वैधानिक उत्तराधिकारी)	केस सं० एल-१६७४, उप प्रबन्धक का आवेदा सं० सी ग्रो० ७८ विमांक ८-८-१९७७
---------------	--------------------------	-----------	---	---

1	2	3	4	5	6
नई विली संकिळ					
<u>3% प्रथम विकास ऋण 1970-75</u>					
@डीएच-030472	500/-	चिकित्सा तथा सार्व- जनिक स्वास्थ्य कर्म- चारी सहकारी समिति लि०, लखनऊ	15-4-1962	चिकित्सा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य कर्मचारी सह- कारी समिति लि०, लखनऊ	एलएन-553 दिनांक 18-7-1977
<u>3% ऋण 1951-54</u>					
*डीएच-018348	500/-	भारतीय रिजर्व बैंक	15-3-1944	श्री कलिका बहू मिहू	एलएन-554 दिनांक 23-7-1977
<u>6½% प्रतिशत स्वर्ण बांड 1977</u>					
डीएच-005614 डीएच-005615/28	50/- 100/- प्रत्येक	श्रीमती प्रिया देवी स्टोक्स	12-11-1968	श्रीमती प्रिया देवी स्टोक्स	एलएन-555 दिनांक 11-8-1977
<u>3½% राष्ट्रीय योजना ऋण 1964</u>					
*डीएच-005801	200/-	इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया	19-4-1954	ब्रायने केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, रेवाड़ी	एलएन-556 दिनांक 23-8-1977
<p>① तुरन्त प्रनुलिपि जारी करने/भुगतान मूल्य छदा करने का प्राधिकार दिया गया।</p> <p>*ग्रिथिल की गई कियाविधि के अधीन 3 वर्षों के बाद प्रनुलिपि जारी करने/भुगतान मूल्य छदा करने का प्राधिकार दिया गया।</p>					
<p>क० सी० बनवी मुख्य नेतृत्वाधारी भारतीय रिजर्व बैंक केन्द्रीय कार्यालय लेखा और व्यव विभाग केन्द्रीय ऋण प्रबन्धालय बम्बई-400 001</p>					

भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय कार्यालय
बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1977

सूचना

भारतीय स्टेट बैंक ग्रधिनियम 1955 के नियम 50 के अन्तर्गत निर्भित भारतीय स्टेट बैंक सामान्य विनियमावली 1955 के विनियम 76 (1) के अनुसरण में केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति निम्नलिखित हस्ताक्षराधिकारों का प्रयोग करने के लिए निम्नांकित कर्मचारियों को एतद्वारा प्राधिकृत करती है:—

- (1) 25,000/- रुपयों तक की मीमांडी-जमा रसीदों पर हस्ताक्षर करना।
प्रथम श्रेणी अधिकारी

- (2) 10,000/- रुपयों तक की मीमांडी-जमा रसीदों पर हस्ताक्षर करना।
द्वितीय श्रेणी अधिकारी
केन्द्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति के आवेदन से पी० सी० डी० मिशनार
प्रध्यक्ष

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
प्रधान कार्यालय
इंदौर, दिनांक 2 दिसम्बर, 1977
सूचना
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि बैंक के अंशधारियों का रजिस्टर सोमवार 23 जनवरी से सोमवार 6 फरवरी, 1978 तक, दोनों दिन मिलाकर बंद रहेगा।

निदेशक मंडल की आज्ञा से एम० डी० दलाल
प्रबन्धक निदेशक

स्टेट बैंक ऑफ ब्रावणकोर
(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

प्रधान कार्यालय : लिवेन्ट्रन
दिसंबर 7 दिसम्बर 1977
विज्ञाप्ति

मूल्यित किया जाता है कि शेयरों के स्थानान्तरण के बास्ते शनिवार, दिनांक 21 जनवरी, 1978 से शनिवार दिनांक 4 फरवरी 1978, तक इन वो दिनों को सम्मिलित कर स्टेट बैंक ऑफ ब्रावणकोर के भागीदारों का रजिस्टर बन्द किया जाएगा।

(एस० रंगाचारी)
प्रबन्ध निवेदक

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई विल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

स० ए० डी० एम० आर०-II-15 (1) /76/ए० डी० बी०/ 54796 ---केन्द्रीय बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5 वटी की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए (केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से), कर्मचारी भविष्य निधि (मकानों के निर्माण/ क्रय के लिए आयुक्तों से भिन्न अधिकारियों और कर्मचारी बृन्द को छूट का अनुदान) नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् ---

1 (1) इन नियमों का नाम कर्मचारी भविष्य निधि (मकानों के निर्माण/ क्रय के लिए आयुक्तों से भिन्न अधिकारियों और कर्मचारी बृन्द को छूट का अनुदान) संशोधन नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में अधिसूचना की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 कर्मचारी भविष्य निधि (मकानों के निर्माण/ क्रय के लिए आयुक्तों से भिन्न अधिकारियों और कर्मचारी बृन्द को छूट का अनुदान नियम, 1965 में,

(क) नियम 5 में,

(i) उपनियम (1) में, शब्द और अंक "1,00,000 रु०" और "30,000" के स्थान पर क्रमशः "1,25,000 रु०" और "50,000 रु०" शब्द और अंक रखे जायेंगे,

(ii) उपनियम (2) में, शब्द और अंक "1,00,000 रु०" के स्थान पर शब्द और अंक नियम "1,25,000 रु०" रखे जाएंगे।

(ख) नियम 6 में उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

(2) सम्बन्ध कर्मचारी (या संयुक्त: उसकी/उसके पत्नी/ पति) के स्वामित्व के विद्यमान गृह में शावास स्थान को बढ़ाने के लिए, परन्तु यह तथा जबकि विद्यमान सरचना (भूमि को छोड़कर) और प्रस्तावित परिवर्धन और विस्तार की कुल लागत उसके बेतन

के 75 गुने से, या 1,25,000 रु० से, जो भी कम हो, अधिक नहीं होनी चाहिए। छूट ऐसी दशाओं में भी विद्या जा सकेगा जहाँ विद्यमान सरचना (भूमि को छोड़कर) और प्रस्तावित परिवर्धन और विस्तार की कुल लागत 50,000 रु० से अधिक न हो भले ही वह कर्मचारी के बेतन के 75 गुने से अधिक हो, "

- (ग) नियम 7 में,
- (i) उपनियम (2) में, शब्द और अंक "15,000 रु०" के स्थान पर शब्द और अंक "25,000 रु०" रखे जाएंगे।
- (ii) उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् "(5) उपनियम (4) में परिवर्धित अर्ण के प्रतिवाय की अभाव संगणित करने के प्रयोजन के लिए कर्मचारी के बेतन की 1/3 की सीमा तक रकम की संगणना की जाएगी। यदि अधेक लिखित रूप में महसूत है कि वह अपने बेतन की 1/3 तक की त्यन्तक अभाव से अधिक बसूली की दर में प्रतिवाय करने का इच्छुक है तो बसूली की यह दर उन अधेकों की दशा में, जिनकी (सेवा निवृत्ति से पूर्व) 20 वर्ष की सेवा बाकी है, बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक और उन अधिकारियों की दशा में जिनकी सेवा निवृत्ति का समय 10 वर्ष या उससे कम है, बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक की जा सकेगी।"

के० ए० नायक
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

कर्मचारी राज्य बीमा नियम

नई विल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० ए० -17/13/77---योजना एवं विकास (22) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 5 के उपविनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिवेशक ने यह निश्चय किया है कि निम्न अनुसूची में निर्दिष्ट क्षेत्रों में वर्ग 'क', 'ख' तथा 'ग' के लिए प्रथम प्रशदान एवं प्रथम लाभ अवधिया नियत दिवम 10 दिसम्बर, 1977 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिए प्रारम्भ व समाप्त होंगी जैसा कि निम्न सूची में दिया गया है :—

वर्ग	प्रथम अंगशान अवधि	प्रथम लाभ अवधि
क	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है
ख	10-12-77	28-1-78
ग	10-12-77	25-3-78
	10-12-77	27-5-78
		9-9-78
		30-12-78
		9-9-78
		24-2-79

अनुसूची केरल राज्य में :—

क्षेत्र	तालुक	जिला
ग्रामीण राजस्वग्राम	पाथानापुरम्	किलोन
थालावूर राजस्वग्राम	पाथानापुरम्	किलोन
पिटावर राजस्वग्राम	पाथानापुरम्	किलोन
इट्टिवा राजस्वग्राम	कोटाराकारा	किलोन
ईलामड़ राजस्वग्राम	कोटाराकारा	किलोन
काडाक्कल राजस्वग्राम	कोटाराकारा	किलोन
ईराथू राजस्वग्राम	कुनाथूर	किलोन
चाधायामार्गलिम राजस्व-		
ग्राम	कोटाराकारा	किलोन

टिप्पणी:—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी अनुवाद ही शुद्ध माना जाए।

फकीर चन्द्र
निदेशक (योजना एवं विकास)

भारतीय उपचर्या परिषद्

नई विल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० 11-1/76 भा० उ० प० —भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम 1947 (1947 का 48) की धारा 10 के अधीन 2 मित्तम्बर, 1977 को हुई भारतीय उपचर्या परिषद् की बैठक में पारित किये गये एक सकल्प द्वारा की गई मिम्नलिखित घोषणा को एतद् द्वारा, जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 15 की उप-धारा (1) में अपेक्षित है, प्रकाशित किया जाता है, अर्थात् —

बम्बई विश्वविद्यालय बम्बई यथा बम्बई विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त नर्सिंग की पोस्ट सर्टीफिकेट बी० एसमी० एसमी० डिग्री को 1 अप्रैल, 1971 से प्रयोजन से महाराष्ट्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अधिकरण (अधारिटी) होने के नाते, यथा संशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम 1947 (1947 का 48) के अधीन गठित की गई भारतीय उपचर्या परिषद् से यह आवेदन किया था कि इस विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली नर्सिंग की पोस्ट सर्टीफिकेट बी० एसमी० डिग्री को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये उच्चतर अर्हता माना जाये।

यतः अब इस परिषद् ने उक्त उद्देश्य के लिये अपनी 2 मित्तम्बर, 1977 को हुई बैठक में यह पारित किया है कि निम्नलिखित उच्चतर अर्हता यदि 1 अप्रैल, 1971 को या इसके बाद प्रदान

की गई हो तो उसे उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये उच्चतर अर्हता मान लिया जायेगा, अर्थात् :—

“ बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई द्वारा 1 अप्रैल, 1971 को या उसके बाद प्रदत्त नर्सिंग की पोस्ट सर्टीफिकेट बी० एसमी० डिग्री । ”

सं० 11-1/76-भा० उ० प० —भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम 1947 (1947 का 48) की धारा 10 के अधीन 2 मित्तम्बर, 1977 को हुई भारतीय उपचर्या परिषद् की बैठक में पारित किये गये एक सकल्प द्वारा की गई मिम्नलिखित घोषणा को एतद् द्वारा, जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 15 की उप-धारा 1 में अपेक्षित है, प्रकाशित किया जाता है, अर्थात् — केरल उपचर्या तथा धारी यतः केरल उपचर्या तथा परिषद् विवेन्द्रम द्वारा किये धारी परिषद् विवेन्द्रम ने जन जाने वाले जन स्वास्थ्य उपचर्या स्वास्थ्य नर्सिंग सर्टीफिकेट प्रदान सर्टीफिकेट को 24 अक्टूबर, करने के प्रयोजन से केरल सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अधिकरण (अधारिटी) होने के नाते, यथा संशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का 48) के अधीन गठित की गई भारतीय उपचर्या परिषद् से यह आवेदन किया था कि इसके द्वारा दिये जाने वाले जनस्वास्थ्य उपचर्या सर्टीफिकेट को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये उच्चतर अर्हता माना जाये।

अब इस परिषद् ने उक्त उद्देश्य के लिये अपनी 2 मित्तम्बर, 1977 को हुई बैठक में यह पारित किया है कि निम्नलिखित अर्हता यदि 24 अक्टूबर, 1971 से 23 अक्टूबर, 1972 (दोनों दिनों महित) के बीच प्रदान की गई हो तो उसे उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए उच्चतर अर्हता मान लिया जायेगा, अर्थात् :—

“ केरल उपचर्या तथा धारी परिषद्, विवेन्द्रम द्वारा 24 अक्टूबर, 1971 से 23 अक्टूबर, 1972 (दोनों दिनों महित) के बीच प्रदत्त सर्टीफिकेट ।

श्रीमती आर० के० सूद,

मन्त्री

भारतीय उपचर्या परिषद्

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
DEPARTMENT OF ACCOUNTS AND EXPENDITURE

Bombay, the 24th December 1977

In pursuance of Rule 18 of the Rules made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of India of the 20th April 1946 (as amended under Notification No F(8)/70-B/52 dated 29th April 1954) the following list (for the quarter ended 30th September 1977) is hereby advertised of securities lost etc. in respect of which *prima facie* grounds exist for believing that the securities have been lost and that the claims of applicants is just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief Accountant, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Accounts and Expenditure, Central Debt Section, Bombay.

LIST 'A'

No. of Security	Value Rs./Gms	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the Claimant(s) for issue of duplicate or payment of discharge value	No and date of orders issued
1	2	3	4	5	6
Bombay Circle					
<u>3½% National Plan Loan 1964</u>					
BY-075876	200/-	Reserve Bank of India	19-4-1954	Gururao Gunderao Deshpande, Manoharrao Gunderao Deshpande and Nagnath Rao Gunderao Deshpande (legal heirs to the estate of late Gunderao Sheshgirrao Deshpande)	Casc No L-1674, vide Dy. Manager's Orders No CO 78 dt. 8-8-1977.
New Delhi Circle					
<u>3% First Development Loan 1970-75</u>					
@DH-030472	500/-	The Medical and Public Health Employees Co-op Society Ltd, Lucknow.	15-4-1962	The Medical and Public Health Employees Co-op Society Ltd, Lucknow.	LN-553 dt. 18-7-1977
*DH-018348	500/-	Reserve Bank of India	15-3-1944	Sh. Kalika Baksh Singh	LN-554 dt. 23-7-1977
<u>6½% Gold Bonds 1977</u>					
DH-005614	50/- } 100/- } each	Smt Priya Devi Stokes	12-11-1968	Smt. Priya Devi Stokes,	LN-555 dt. 11-8-1977
DH-005615/26					
<u>3½% National Plan Loan 1964</u>					
*DH-005801	200/-	Imperial Bank of India.	19-4-1954	The Brayne Central Co-operative Bank Ltd., Rewari.	LN-556 dt. 23-8-1977

@Immediate issue of duplicate/payment of discharge value authorised

*Issue of duplicate/payment of discharge value after 3 years under relaxed procedure authorised

K C BANERJEE
CHIEF ACCOUNTANT
RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
DEPARTMENT OF ACCOUNTS & EXPENDITURE
CENTRAL DEBT SECTION
BOMBAY-400001.

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE

Bombay, the 10th November 1977

NOTICE

In pursuance of Regulation 76(1) of the State Bank of India General Regulations 1955, framed under Section 50 of the State Bank of India Act 1955, the Executive Committee of the Central Board hereby authorises the under-noted officials to exercise the following signing powers —

- (1) To sign Term Deposit Receipts for amounts not exceeding Rs 25,000 each
Officers Grade I

- (ii) To sign Term Deposit Receipts for amount not exceeding Rs 10,000 each.
Officers Grade II

By Order of the Executive
Committee of the Central Board,
P. C. D. NAMBIAR, Chairman

STATE BANK OF INDORE

Indore, the 2nd December 1977

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Register of Shareholders of the State Bank of Indore will be closed for transfer of

shares from Monday the 23rd January, 1978 to Monday the 6th February, 1978 both days inclusive.

By Order of the Board of Directors
M. D. DALAL
Managing Director

STATE BANK OF TRAVANCORE
(Associate of the State Bank of India)

Trivandrum, the 7th December 1977

NOTICE

Notice is hereby given that the Register of Shareholders of the State Bank of Travancore will be closed for transfer of shares from Saturday the 21st January, 1978 to Saturday the 4th February, 1978 both days inclusive.

S. RANGACHARI
Managing Director

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND
COMMISSIONER

New Delhi, the 8th December 1977

G.S.R. No. Adm R-II 15(1)/76/Adv./54796.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 3D of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Board, with the approval of the Central Government, hereby makes the following rules further to amend the Employees' Provident Fund (Grant of Advances to Officers and Staff other than Commissioners for building/purchasing of houses), Rules 1965 namely :—

1. (1) These rules may be called the Employees' Provident Fund (Grant of Advances to Officers and Staff other than Commissioners for building/purchasing of houses) Amendment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their notification in the Official Gazette.

2. In the Employees' Provident Fund (Grant of Advances to Officers and Staff other than Commissioners for building/purchasing of houses) Rules, 1965,—

(a) In rule 5,—

(i) in sub-rule (1) for the word and figures "Rs. 1,00,000" and "Rs. 30,000" the word and figures "Rs. 1,25,000" and Rs. "50,000" respectively shall be substituted;

(ii) In sub-rule (2), for the word and figures Rs. 1,00,000 the word and figures "Rs. 1,25,000/- shall be substituted;

(b) in rule 6,—for sub-rule (2) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

(2) enlarging living accommodation in an existing house owned by the employee concerned (or jointly owned with his/her wife/husband (provided that the total cost of the existing structure (excluding land) and the proposed additions and expansion does not exceed 75 times his monthly pay or Rs. 1,25,000/- whichever is less. Advances may also be granted in cases where the total cost of existing structure (excluding land) and the proposed additions and expansions does not exceed Rs. 50,000/- even though it may exceed 75 times the pay of an employee";

(c) In rule 7,

(i) In sub-rule (2) for the word and figures "Rs. 15,000/- the word and figures "Rs. 25,000/- shall be substituted;

(ii) for sub-rule (5) the following sub-rule shall be substituted, namely,

"(5) For the purpose of calculating the capacity to repay the advance, envisaged in sub-rule (4), the amount shall be computed to the extent of 1/3rd of the pay of the employee. If the applicant agrees in writing that he is willing for an enhanced rate of recovery over and above his minimum repaying

capacity of one third of his pay, the rate of recovery may be enhanced upto 50% in the case of applicants who have got 20 years service (before retirement) and 60% in the case of officers with 10 years or less than 10 years of retire."

K. S. NAIK
Central Provident Fund Commissioner

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 9th December 1977

No. N. 17/13/77-P&D (22)—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 the Director General has determined that in the areas specified in the Schedule given below the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 10th December, 1977 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
1	2	3	4	5
A .	10-12-1977	28-1-1978	9-9-1978	28-10-1978
B .	10-12-1977	25-3-1978	9-9-1978	30-12-1978
C	10-12-1977	27-5-1978	9-9-1978	24-2-1979

SCHEDULE

Name of Revenue Village	Taluk	District
Alayamon . . .	Pathanapuram	Quilon
Thalavoor . . .	Pathanapuram	Quilon
Pidavoor . . .	Pathanapuram	Quilon
Ittiva . . .	Kottarakara	Quilon
Elamad . . .	Kottarakara	Quilon
Kadakkal . . .	Kottarakara	Quilon
Erathu . . .	Kunnathur	Quilon
Chadaya Mangalam . . .	Kottarakara	Quilon

in the State of Kerala.

FAQIR CHAND
Director (Plg. & Dev)

INDIAN NURSING COUNCIL

New Delhi-110001, the 12th December 1977

No. 11-1/76-INC—The following declaration made by a resolution passed at a meeting of the Indian Nursing Council held on 2nd September, 1977, under Section 10 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), is hereby published as required by Sub-section (1) of Section 15 of the said Act, namely :—

Recognition of the Post-Certificate B Sc Degree in Nursing granted by the Bombay University, Bombay with effect from 1st April, 1971

WHEREAS, the Bombay University being an authority recognised by the Government of Maharashtra for the purpose of granting Post-Certificate B Sc. Degree in Nursing had applied to the Indian Nursing Council constituted under the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947) as amended that the degree granted by it in Post-Certificate B Sc. Nursing be recognised as higher qualification for the purpose of the said Act.—

NOW, the Council at its meeting held on 2nd September, 1977 for the said purpose resolved that the following higher qualification when granted on or after 1st April, 1971 shall be recognised as higher qualifica-

tion for the purpose of the said Act, namely :—

"Post-Certificate B Sc Degree in Nursing granted by the Bombay University, Bombay on or after 1st April, 1971"

No. 11-1/76-INC—The following declaration made by a resolution passed at a meeting of the Indian Nursing Council held on 2nd September, 1977, under Section 10 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), is hereby published, as required by Sub-Section (1) of Section 15 of the said Act, namely :—

Recognition of the Public Health Nursing Certificate granted by the Kerala Nurses & Midwives Council, Trivandrum, being an authority recognised by the Government of Kerala for the purpose of granting the Public Health Nursing Certificate had applied to the Indian Nursing Council constituted under the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947) as amended that the Certificate granted by it in Public Health Nursing

be recognised as higher qualification for the purpose of the said Act;

NOW, the Council at its meeting held on 2nd September, 1977 for the said purpose resolved that the following qualification when granted between the dates from 24th October, 1971 to 23rd October, 1972 (both dates included) shall be recognised as higher qualification for the said Act, namely:—

"Public Health Nursing Certificate granted by the Kerala Nurses & Midwives Council, Trivandrum, between 24th October, 1971 to 23rd October, 1972 (both dates included)."

Mrs. R. K. SOOD
Secretary
Indian Nursing Council.

